कितनी ऊँची शान है आक़ा | By Zartaj Kesar

आक़ा आक़ा आक़ा आक़ा
आक़ा आक़ा आक़ा आक़ा

कितनी ऊँची शान है आक़ा आक़ा
जिन पर नाज़ क़ुरआन है आक़ा आक़ा
हर मोमिन की जॉन है आक़ा आक़ा
मेरा तू ईमान है आक़ा आक़ा

नबियों के सरदार हैं मेरे आक़ा.....4
जिनका दोनों जहान है आक़ा आक़ा
जिन पर नाज़ क़ुरआन है आक़ा आक़ा
कितनी ऊँची शान है .....

जिनके सदक़े में सारी ये दुनिया बनी...4
उन पर सब क़ुर्बान है आक़ा आक़ा
जिन पर नाज़ क़ुरआन है आक़ा आक़ा
कितनी ऊँची शान है .....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%95%e0%a4%bf%e0%a4%a4%e0%a4%a8%e0%a5%80-%e0%a4%8a%e0%a4%81%e0%a4%9a%e0%a5%80-%e0%a4%b6%e0%a4%be%e0%a4%a8-%e0%a4%b9%e0%a5%88-%e0%a4%86%e0%a4%95%e0%a4%bc%e0%a4%be-by-zartaj-kesar/